जरा सोचिए नए माहौल में सोना पड़े तो क्या होगा, अजनबी आवाजों और अलग माहौल की वजह से आप रात भर करवटें बदलते रहेंगे। कुत्ते भी ऐसे ही होते हैं, अगर उन्हें किसी अनजान जगह ले जाएं तो वो सो नहीं पाते। हंगरी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक शोध किया, यह पता लगाने के लिए कि क्या यह बात भेड़ियों पर भी लागू होती है? शोधकर्ताओं को कुछ आश्चर्यजनक भिन्नताएं पता चलीं। शोध के लेखक, हंगरी की इओटवोस लोरैंड युनिवर्सिटी की विविअन राइकर ने कहा कि, ''कुत्ते इंसान के साथ उद्विकास का इतिहास और सामाजिक पर्यावरण साझा करते हैं, उनके सोने के लक्षणों की भेड़ियों से, जो कुत्ते के निकटतम सम्बंधी हैं, तुलना करने से, पालतू बनाने और इंसान के साथ रहने के, कुत्तों की नींद पर हुए प्रभाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा।'' विवियन राइकर कहती हैं कि, विभिन्न प्रजातियों के जानवरों की नींद का अध्ययन करने से हमें नींद के फायदों और उन्हें प्रभावित करने वाले कारकों को समझने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने परिवारों में पले 20 कुत्तों और इंसान द्वारा पाले गए 7 भेड़ियों पर यह शोध किया। शोधकर्ताओं ने कुत्तों और भेड़ियों की नींद में रोचक अंतर देखे। उन्होंने पाया कि कुत्ते और भेड़िए समान अवधि तक ऊनींदे रहे। लेकिन प्रमुख अंतर यह था कि, भेड़ियों ने रैपिड आई मूवमैंट (आर.ई.एम.) स्लीप में कुत्तों से ज्यादा समय खर्च किया। आर.ई.एम. के दौरान सबसे ज्यादा सपने आते हैं, यह वो चरण है जब नींद गहरी होती है और यह चरण सीखने और याद रखने की क्षमता में अहम् भूमिका निभाता है। राइकर ने कहा कि, वो कुत्ते, जिन्हें अक्सर घर के अलावा अन्यत्र सोने की आदत है, जब पहली बार स्लीप लैब में सोए तब उन्होंने नॉन आर.ई.एम. व आर.ई.एम. स्लीप स्टेज में जल्दी प्रवेश किया, उन कुत्तों की तुलना में जो घर के अलावा कहीं भी सोने के आदी नहीं थे। अर्थात् मालिकों के साथ अक्सर नई जगहों पर जाने के आदी कुत्तों की, सोने की नई जगह के प्रति प्रतिक्रिया कम थी, उन कुत्तों के मुकाबले जो सिर्फ घर में रहे थे। भेड़ियों का अध्ययन आसान था, क्योंकि सातों को मनुष्य ने पाला था और वो अपने आस-पास मनुष्यों की उपस्थिति के आदी थे। राइकर ने कहा कि, जो भेड़िए इंसान के सामीत्य के आदी नहीं होते वो आमतौर पर मनुष्य के आने पर बहुत चिंतित और उत्तेजित हो जाते हैं। राइकर ने कहा, ''युवा कुत्तों और भेड़ियों के स्लीप स्टेज का विस्तार काफी एक सा था, तथापि आर.ई.एम. स्लीप में बिताया गया समय, भेड़ियों के मुकाबले कुत्तों में कम था और बड़ी उम्र के जानवरों में यह अंतर और भी अधिक होता है।

राजनाथ सिंह के जापान दौरे पर चीन की निगाहें टिकीं

चीन की मीडिया ने कहा है कि, इन बैठकों के जरिए चीन को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए

- **राजनाथ सिंह 7 सितम्बर को टोक्यो पहुंचेगे, जहां उनकी जापान के प्रधानमंत्री कीशीदा फूमीयो से भी मुलाकात हो सकती है।**

नई दिल्ली, 28 अगस्त। सीमा पर तनाव के बीच दूसरे देशों से बन रहे भारत के रिश्तों पर चीन करीबी नजर रख रहा है। इसी कड़ी में मंगोलिया और जापान दौरे पर जा रहे भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पग-पग पर उसकी नजर रहेगी। चीन से आ रहे बयानों से स्पष्ट है कि वह भारत-जापान के बीच बढ़ती दोस्ती का बिल्कुल भी हिमायती नहीं है। बता दें कि भारत और जापान के बीच 8 सितंबर को टू प्लस टू की दूसरे राउंड की वार्ता होने वाली है। इसमें भारत और जापान के विदेश व रक्षा मंत्री शामिल होंगे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगोलिया के दो दिवसीय दौरे पर जाने वाले हैं। 6 सितंबर को होने वाले इस मीटिंग में राजनाथ सिंह की वहां के राष्ट्रपति से मुलाकात होगी। इसके अलावा मंगोलियन राष्ट्रपति ने राजनाथ सिंह के सम्मान में भोज का भी आयोजन किया है।

भारतीय रक्षामंत्री के जापान दौरे से पहले चीन की सरकारी मीडिया ने भी बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि उच्च स्तरीय बैठक की आड़ में इन दोनों देशों को किसी तीसरे देश को निशाना नहीं बनाना चाहिए। एक चीनी ऑब्जर्वर ने सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स से कहा कि बीते कुछ साल में भारत और जापान के बीच नजदीकी बढ़ी है। खासतौर पर पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के कार्यकाल में यह ज्यादा देखने को मिला था। इसके पीछे क्षेत्र में चीन के शांतिपूर्ण विकास को रोकने का मकसद हो सकता है। वहीं सिंघुआ यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान के शोध विभाग के निदेशक क्वेन फेंग ने कहा कि सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव के बाद भारत में कुछ संकीर्ण मानसिकता के लोग चीन को सुरक्षा के लिए चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ही भारतीय अमेरिका और जापान के साथ दोस्ती को बढ़ावा देते हैं। इसके पीछे उनका मकसद चीन पर नियंत्रण रखना होता है। चीन को इससे सतर्क रहना चाहिए।

मंगोलिया के साथ बातचीत के दौरान यहां भारत के सौजन्य से बन रही रिफाइनरी पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह मंगोलिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे 1.2 बिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह रिफाइनरी 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगी। मंगोलिया के डोर्नोगोबी प्रांत में इसके निर्माण के बाद यहां की 75 फीसदी जरूरतें पूरी हो सकेंगी। इसके अलावा राजनाथ सिंह छह सितंबर को एक साइबर सिक्योरिटी सेंटर का भी उद्घाटन करेंगे। इस साइबर सिक्योरिटी सेंटर को बनाने में भारत ने मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय की मदद की है।

साल 2015 में चीन के दौरे के बाद पीएम मोदी मंगोलिया पहुंचे थे तब दोनों देशों के बीच इसको लेकर एक एम.ओ.यू. पर दस्तखत हुए थे। इसके मुताबिक भारत मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय के लिए साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करेगा। साथ ही इसके लिए लोगों को ट्रेनिंग भी देगा। मोदी के इस दौरे में ही भारत-मंगोलिया के द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने संबंधी बातें हुई थीं। भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मंगोलिया के रक्षा मंत्री गुरसेद सैखानबायार और पार्लियामेंट स्पीकर गोम्बोजाव जांदांश्तार से भी मिलेंगे। इसके बाद राजनाथ सिंह 7 सितंबर को टोक्यो के लिए रवाना होंगे। चीन और रूस के बाद मंगोलिया भारत को अपना तीसरा और आध्यात्मिक पड़ोसी मानता है।

भुज में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नारे लगाये। प्रधानमंत्री ने कार से उतरकर लोगों का अभिनंदन किया और हाथ भी मिलाए।

बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सुबह से खड़े हो कर इंतजार करते रहे और इस यादगार मौके को अपने मोबाइल फोनों में कैद किया।

सूत्रों के अनुसार भुज चुनाव प्रचार दौरान के बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं सभी से हाथ मिलाते नजर आए मोदी। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए महिलाएं भी अधिक संख्या में पहुंची उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अपने सिर पर क्लश रखा हुआ था, साथ ही कुछ महिलाओं ने मोदी से हाथ भी मिलाया।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहे। गुजरात चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के सभी बड़े नेता चुनाव प्रचार में लगे हैं। मोदी की भी इस राज्य में ताबड़तोड़ रैलियां चल रही हैं।

नए करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई राजस्थान में

पिछले सप्ताह में नए संक्रमितों का दैनिक आंकड़ा आठ सौ से कम होकर चार सौ के नीचे आ गया है

- **राज्य में रविवार को 338 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 393 रोगी पाए गए थे**
- **राजधानी जयपुर में अभी भी रोजाना सौ से अधिक नए मरीज मिले रहे हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। राज्य में पिछले सप्ताह में नए संक्रमितों का आंकड़ा आठ सौ से कम होकर चार सौ के नीचे आ गया है। इधर प्रदेश में रविवार को भी थोड़ी और गिरावट के बाद 338 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं साढ़े चार सौ से अधिक रोगी ठीक हुए हैं।

प्रदेश में रविवार को 20 जिलों में 338 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 393 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में अभी भी रोजाना सौ से ज्यादा नए संक्रमित मिल रहे हैं। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 118 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 36, अलवर में 33, उदयपुर में 21, जोधपुर में 20, नागौर व दौसा में 17-17, अजमेर में 15, भीलवाड़ा में 11, सिरोही में 9, डूंगरपुर में 8, पाली में 7, चित्तौड़गढ़ में 5, बूंदी, जालोर व झालावाड़ में 4-4, बीकानेर व सीकर में 3-3, कोटा में 2 तथा बारां में एक नया संक्रमित मिला है।

प्रदेश में लगातार रिकवरी में सुधार होने से एक्टिव केस कम हो रहे हैं। रविवार को भी नए संक्रमितों से अधिक 453 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3231 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज अच्छी रिकवरी हुई है। इस दौरान जिले में 246 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1050 रह गए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 338, अलवर में 275, जोधपुर में 210, दौसा में 159 और अजमेर में 120 लोगों का इलाज चल रहा है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9624 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को 37 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 15 संक्रमित सांगानेर में मिले हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 11, मालवीय नगर व सोड़ाला में 10, वैशाली नगर में 9, मानसरोवर में 8, बस्सी व तिलक नगर में 5-5, अजमेर रोड, बनीपार्क, दुर्गापुरा, कोटपूतली व सिरसी में 3-3, आदर्श नगर, झोटवाड़ा, खातीपुरा व मुरलीपुरा में 2-2 तथा आगरा रोड, बापू नगर, बनेड़ा, ब्रह्मपुरी, सी-स्कीम, चाकसू, चांदपोल, सिविल लाइन, दूदू, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, इमली फाटक, जवाहर नगर, कालवाड़ रोड, कालवाड़, महेश नगर, रामगंज, सिंधी कैंप और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 3 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

श्रद्धालुओं की ट्रैकटर-ट्रॉली की ट्रक से भिड़ंत

- **6 श्रद्धालुओं की दुर्घटना में मौत हो गई व 34 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।**

नैनीताल, 28 अगस्त (वार्ता)। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में संगत में जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्राली को एक ट्रक के टक्कर मारने से हुई भीषण दुर्घटना में एक ही गांव के छह लोगों की मौत हो गयी जबकि 34 से अधिक लोग घायल हो गये हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर है।

उधमसिंह नगर के जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने बताया कि उधमसिंह नगर के शक्तिफार्म के बसुधर व आसपास गांवों के लोग एक ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर सुबह संगत में भाग लेने के लिये उत्तम नगर गुरूद्वारा जा रहे थे। ट्राली में 40 से अधिक लोग सवार थे। ट्रैक्टर ट्राली जैसे ही उ.प्र. व उधमसिंह नगर बार्डर पर स्थित सिरसा मोड़ पर पहुंची, एक ट्रक ने ट्राली को पीछे से टक्कर मार दी।

बाल्टिक सागर में 1 लाख टन रासायनिक हथियार होने की संभावना

ये रासायनिक हथियार द्वितीय विश्व युद्ध के समय से बाल्टिक सागर की तह में समाये हुए थे

- **यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी के कारण बाल्टिक सागर का जलस्तर कम होने लगा है और अब इन रासायनिक हथियारों के ऊपर आ जाने से दिखने की आशंका है।**

वारसॉ, 9 अगस्त (वार्ता)। यूरोप में भीषण गर्मी के कारण तलाब व नदी और तालाब सूखने लगे हैं। इस बीच खबर है कि, बाल्टिक सागर सूखने के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन हथियार दिखने लगे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन रासायनिक हथियार अपरिहार्य जंग के कारण बाल्टिक सागर के तल में पड़े होने की आशंका जतायी गयी है जिससे कभी भी पर्यावरणीय आपदा का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

पोलिश समाचार पत्र गजेटा वायबोर्जा ने जानकारी दी। अखबार ने कहा कि बाल्टिक समुद्र तल पर ढेर की गई खनिजों, बैरल और बमों की सही मात्रा का अनुमान लगाना मुश्किल है। फिर भी रासायनिक हथियारों का वजन 40,000 से 100,000 टन के बीच हो सकता है। गजेटा वायबोर्जा के अनुसार विचाराधीन रासायनिक हथियार मुख्य रूप से सरसों गैस के बैरल और विमानन बम और रासायनिक युद्ध एजेंटों, मुख्य रूप से सरसों और आर्सेनिक युक्त खदानें हैं।

समाचार पत्र ने पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा किए गए एक अध्ययन के हवाले से कहा है कि एक सरसों गैस बम 70 मीटर (230 फीट) तक के दायरे में पानी को प्रदूषित कर सकता है, जिससे वनस्पतियों और जीवों की मौत हो सकती है।

अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के विशेष रूप से बनाए गए त्रिपक्षीय आयोग के निर्णय से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहले वर्षों में नाजी रासायनिक हथियारों को बाल्टिक सागर में दफनाया गया था।

'भारत 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जायेगा'

- **प्र.मंत्री मोदी ने कहा कि, ई.वी. और रिन्यूएबल एनर्जी को एक मिशन के तौर पर चलाया जा रहा है।**

गांधीनगर, 28 अगस्त (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि भारत का लक्ष्य आगामी 25 वर्षों में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनना है और इसके लिए नवान्वेषण एवं वैकल्पिक साधनों को हर संभव बढ़ावा दिया जाएगा।

मोदी ने यहां महात्मा मंदिर सभागार में मारुति सुज़ुकी के इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी विनिर्माण संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भारत में जापान के राजदूत सातोशी सुज़ुकी, जापानी कंपनी सुज़ुकी मोटर्स के अधिकारी आदि मौजूद थे।

मोदी ने यहां समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और भारत के लोगों के साथ सुज़ुकी का पारिवारिक रिश्ता अब 40 वर्ष का हो गया है। आज एक ओर गुजरात में इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी के विनिर्माण के लिए एक विशाल संयंत्र का शिलान्यास हो रहा है साथ ही हरियाणा में नये कार विनिर्माण संयंत्र की शुरुआत भी हो रही है। ये विस्तार सुजुकी के लिए भविष्य की अपार संभावनाओं का आधार बनेगा।

उन्होंने कहा कि मारुति-सुजुकी की सफलता भारत-जापान की मजबूत साझीदारी का भी प्रतीक है। बीते आठ वर्षों में तो हम दोनों देशों के बीच ये रिश्ते नई ऊंचाइयों तक गए हैं। आज गुजरात-महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन से लेकर उत्तर प्रदेश में बनारस के रुद्राक्ष सेंटर तक, विकास की कितनी ही परियोजनाएं भारत-जापान दोस्ती का उदाहरण हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत एवं जापान के बीच बहुआयामी एवं जीवंत मित्रता के लिए जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को याद करते हुए कहा, इस दोस्ती की जब बात होती है, तो हर एक भारतवासी को हमारे मित्र पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे जी की याद जरूर आती है।

अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्याधुनिक तकनीकि से अपग्रेड किया जा चुका है। भारतीय वायु सेना के सामने यह पहली बार 2016 में प्रस्तुत किया गया था। सेना ने वर्ष 2021 में इसे अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही मिग-21 को बार-बार दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते रिटायर कर दिया है। अब भारत के पास तेजस, राफेल, मिग-29 और सुखोई नामक फाइटर जेट हैं।

तेजस फाइटर जेट की टेक्नॉलोजी चीन, दक्षिण कोरिया और रूस से भी अधिक एडवांस है।

इसको बनाने वाले हिंदुस्तान एअरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) के प्रबंधन निदेशक आर माधवन के अनुसार तेजस फाइटर जेट ने अत्याधुनिक टेक्नॉलोजी से लैस होने की वजह से ही चीन, रूस और दक्षिण कोरिया के फाइटर जेटों की ग्लोबल मार्केट को डाउन कर दिया है। यही वजह है कि मलेशिया ने भारत से 18 तेजस फाइटर खरीदने की इच्छा जताई है।

कर्नाटक भाजपा में नया अध्यक्ष बनाने की राजनीति तेज हुई

येदियुरप्पा को कर्नाटक भाजपा की कमान दिये जाने की चर्चाएं जोरों पर है

- **कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए नया अध्यक्ष बनाने की कवायद भाजपा के लिए प्राथमिकता होगी।**

बैंगलुरू, 28 अगस्त। कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कतील का कार्यकाल रविवार को खत्म हो रहा है। इसके साथ ही इस दक्षिणी राज्य में नए प्रदेश अध्यक्ष को चुनने के लिए पार्टी ने कवायद तेज कर दी है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा इन दिनों दिल्ली में ही मौजूद हैं। बीते कुछ समय में वह यहां पर पार्टी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष शामिल हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि शुक्रवार तक भाजपा कर्नाटक के नए प्रदेश अध्यक्ष पर फैसला कर लेगी। प्रदेश में होने वाले चुनाव से पहले होने वाले इस बदलाव के साथ यह भी साबित हो जाएगा कि कर्नाटक में बी.एस. येदियुरप्पा की कितनी चलने वाली है। कर्नाटक के नए भाजपा अध्यक्ष की रेस में फिलहाल कई नाम शामिल हैं। इनमें येदियुरप्पा की पूर्व सहयोगी और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सी.टी. रवि, राज्य ऊर्जा मंत्री सुनील कुमार करकला और पूर्व राज्य मंत्री अरविंद लिंबावली के नाम शामिल हैं।

हालांकि येदियुरप्पा ने इस बात से इंकार किया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मीटिंग के वक्त कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष के बारे में चर्चा हुई है। लेकिन राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर देखते हुए यह पार्टी के लिए बड़ी प्राथमिकता होगी। गौरतलब है कि हाल ही में येदियुरप्पा को फिर से भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड में शामिल किया गया है। ऐसे में उनके पास अपनी ताकत दिखाने का यह बड़ा मौका होगा। हाल-फिलहाल इस दक्षिणी राज्य में कतील के लिए माहौल अनुकूल नहीं रह गया है। भाजपा में अंदरखाने उनके खिलाफ आवाज उठने लगी हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि कतील को जब कतील ने कर्नाटक भाजपा की कमान संभाली थी तो उन्हें राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष का समर्थन था।

'कठपुतली अध्यक्ष बना तो, कांग्रेस बर्बाद हो जायेगी'

जी-23 गुट के नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि, सिर्फ अध्यक्ष ही नहीं अन्य पदों पर भी चुनाव होने चाहिए

- **महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने कहा कि, कांग्रेस को बचाने के लिए कई अहम कदम उठाने की जरूरत है।**
- **उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी अगर अध्यक्ष नहीं बनना चाहते तो उन पर दबाव डालने की क्या जरूरत है।**

मुंबई, 28 अगस्त। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और जी-23 गुट के नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने अध्यक्ष पद को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कठपुतली अध्यक्ष बनाया गया तो कांग्रेस बच नहीं पाएगी। चव्हाण ने यह भी कहा कि सिर्फ अध्यक्ष पद नहीं, बल्कि सभी पदों के लिए चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बचाने के लिए अहम कदम उठाए जाने की जरूरत है और पिछली सीट पर बैठने से काम नहीं होगा। बता दें कि जी-23 के नेता गुलाम नबी आजाद ने हाल ही में कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अगर राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं तो उनके ऊपर इतना दबाव क्यों डाला जा रहा है? गौरतलब है कि मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कुछ पार्टी नेता लगातार बयान दे रहे हैं कि वह राहुल गांधी पर दबाव डालेंगे कि वह अध्यक्ष पद स्वीकार करें। चव्हाण ने इन बयानों पर ही टिप्पणी की है। वहीं गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर में तारिक हमीद कर्रा को पी.ए.सी. का हेड बनाए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गुलाम नबी आजाद को अपमानित करने की कोई जरूरत नहीं थी।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे में लगाए गए आरोपों के बारे में पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि इसमें बहुत सी बातें निजी स्तर की हैं। मैं इन पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। हालांकि उन्होंने कहा कि अगस्त 2020 में उठाए गए मुद्दे सही हैं। हम आज भी उन पर कायम हैं। चव्हाण ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि अगर राहुल गांधी ने कह दिया कि न तो वह और न ही परिवार से कोई अन्य सदस्य अध्यक्ष बनने का इच्छुक है तो हम उनकी बात का भरोसा क्यों नहीं कर रहे हैं? अगर वह इस पद पर नहीं रहना चाहते तो कोई दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है। गौरतलब है कि गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद से ही कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

चीन की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'मध्य रेखा' को पार किया था, जो ताइवान और चीन के बीच एक अनौपचारिक समुद्री सीमा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, पहचाने गए विमानों में से 10 ताइवान जलडमरू मध्य की मध्य रेखा के पूर्वी भाग में उड़ गए थे।

चीनी राष्ट्रवादी पार्टी (कुओमितांग) का गढ़ बनने के बाद ताइवान चीन से अलग हो गया, जिसे 1949 में एक गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी से हार का सामना करना पड़ा था। चीन और ताइवान ने 1980 के दशक के अंत में व्यापार और अनौपचारिक संपर्क फिर से बहाल किया।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की 2-3 अगस्त को ताइवान के दौरे के बाद ताइवान के आसपास स्थिति तनावपूर्ण हो गयी है। इस यात्रा के बाद 14 अगस्त को अमेरिकी सीनेटर एडवर्ड जे. मार्के के नेतृत्व में एक अन्य अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और 21 अगस्त को अमेरिकी राज्य इंडियाना के गवर्नर एरिक होलकोम्ब की यात्रा के बाद चीन ताइवान के पास सैन्य युद्धाभ्यास शुरू कर दिया।

इस्तीफा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छठे नेता हैं जिन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है और आजाद के साथ गए हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :**- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :**- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908